भगवान, अल्लाह, गॉड हर जगह और हर वस्तु में मौजूद है। इसलिए भगवान, अल्लाह की किसी भी रूप में पूजा की जा सकती है। हिंदू इस तथ्य का पूर्ण लाभ लेता है। हिंदू पेड़, नदी, सूर्य, चंद्रमा, ग्रह, पृथ्वी, पहाड़ इत्यादी की पूजा की अनुमति देता है। केवल इतना ही नही, हिंदू प्राकृतिक घटनाओं का भी उपयोग ईश्वर की उपासना के लिए करता है जैसे पूर्णिमा, सौर और चंद्र ग्रहण, सूर्य की गति में परिवर्तन इत्यादि। वास्तव में सप्ताह के प्रत्येक दिन को कोई ना कोई भगवान के लिए माना गया है। इसका उद्देश्य हर समय को भगवान को याद रखना है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ईश्वर हर व्यक्ति में मौजूद है, क्योंकि पूरे ब्रह्मांड में ऐसी कोई जगह नहीं है जो भगवान से रहित है। किसी भी धर्म का कोई पवित्रशास्त्र नहीं कहता कि भगवान केवल अपने धर्म के लोगों में मौजूद हैं। इसका मतलब है कि एक ही भगवान या अल्लाह या गॉड हिंदु, मुस्लिम, ईसाइ, सिख, भारतीय, अमेरिकी, रूस, अफ्रीकी, अमीर, गरीब, राजा, भिखारी, बच्चा, युवा, बुढा, पुरुष, महिला आदि सब में मौजूद हैं। इस पृष्ठभूमि के साथ यह कहा गया है कि जब कोई व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को, चाहे वो किसी भी धर्म का हो, शारीरिक या मानसिक दुःख देता है तो भगवान, अल्लाह इसे नोट करता है और गंभीर सजा देता है। सजा इस जीवन में या बाद के जीवन में मिलती है। इस प्रकार जो लोग केवल अलग धर्म के कारण या अन्य कारणवश दूसरों को मारते या परेशान करते हैं , उन्हें नरक मिलता है और वो भी उसी परमेश्वर द्वारा जिस पर वे विश्वास करते हैं।

संक्षेप में मूर्ति पूजा और हिंदू में वर्णित पूजा के अन्य सभी तरीके भगवान का असीम सुख प्राप्त करने में अत्यंत उपयुक्त हैं।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132